अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड

गजेन्द्र निधि की इकाई(तत्त्वावधान-अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ)
प्रधान कार्यालय : नेहरू पार्क, जोधपुर-342 001 (राज.)
फोन: 0291-2630490,व्हाट्स ऐप (what's app)-7610953735
Website: www.jainratnaboard.com
E-mail : shikshanboardjodhpur@gmail.com

1. नाम श्री/श्रीमती/सुश्री (Name Shri/Smt./Miss) .....

2. पिता/पति का नाम (Name of Father/Husband) .....

3. पूरा पता (Postal Address) .....

.....

जिला (Dist.)..... राज्य (State) ..... पिन कोड (Pin Code) | | | | | | |

4. MOBILE | | | | | | | | | | | WhatsApp | | | | | | | | | | |

5. जन्म दिनांक(Date Of Birth) ...../...../..... 6. शिक्षा (Education) .....

7. कक्षा जिसमें परीक्षार्थी प्रवेश चाहता है (Class appearing) .....

8. पूर्व परीक्षार्थी के रोल नम्बर (Old Student Roll No.) .....

9. परीक्षा केन्द्र (Examination Centre) .....

10. केन्द्र कोड (Centre Code) | |

आवेदक के हस्ताक्षर
(Signature of Applicant)

(यहाँ से काटकर नीचे का भाग परीक्षार्थी अपने पास रखें।)

कक्षा 1 से 12 का पाठ्यक्रम

प्रथम कक्षा- जैन कौन- देव-गुरु-धर्म, सामायिक मूल, 32 दोष एवं विधि सहित, उच्चारण शुद्धि के नियम, 25 बोल 1 से13 तक (मूल), भगवान महावीर, नवकार मंत्र, जय बोलो महावीर स्वामी की, 24 तीर्थंकरों के नाम, सप्तकुव्यसन, पाँच अभिगम, विनय-स्वरूप, महत्त्व।

द्वितीय कक्षा- सामायिक सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर, 25 बोल-14 से 25 तक मूल,भगवान पार्श्वनाथ, ओम शान्ति-शान्ति, जरा कर्म देखकर, ज्ञान प्राप्ति के बाधक कारण, महापापी, यतना-स्वरूप, महत्त्व, प्रथम कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

तृतीय कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र-इच्छामि खमासमणो तक, 25 बोल की परिभाषाएँ, 67 बोल, भगवान ऋषभदेव, एक सौ आठ बार, दुनिया में देव, वन्दना का अर्थ एवं भेद, बारह भावना के दोहे, पाँच आचार, जैन धर्म और पर्यावरण, द्वितीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

चतुर्थ कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र-पूर्ण-विधि सहित, कर्म प्रकृति, उपयोग, संज्ञा का थोकड़ा,14 नियम, 3 मनोरथ, भगवान शान्तिनाथ, मेरे अन्तर भया....., आओ भगवन्.....,नवकारसी,उपवास, दया एवं संवर के पाठ, सचित्त-अचित्त विवेक, जमीकन्द त्याग, तृतीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

पाँचवीं कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर, समिति गुप्ति का थोकड़ा,भक्तामर 1 से 16 श्लोक तक भावार्थ सहित, मैंने बहुत किए अपराध,जय जिनवर जय, आयम्बिल, एकासन, पोरिसी के प्रत्याख्यान, चतुर्थ कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

छठी कक्षा- दशवैकालिक अ. 1, 2 मूल व अर्थ कंठस्थ, जीवनोपयोगी गाथाएँ, अन्तगड सूत्र-सामान्य परिचय, गति-आगति, जयन्ती बाई का थोकड़ा, रत्नाकर पच्चीसी (हिन्दी), भक्तामर-17 से 32 श्लोक तक भावार्थ सहित, रात्रि भोजन त्याग, अस्वाध्याय के 34 कारण, आगम स्वरूप एवं विशेषताएँ, पौषधव्रत भेद एवं विशेषताएँ।

सातवीं कक्षा- दशवैकालिक अ.3 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, अन्तगड सूत्र-सामान्य प्रश्नोत्तर, नव तत्त्व का थोकड़ा, भक्तामर-33 से 48 श्लोक तक भावार्थ सहित।

आठवीं कक्षा- दशवैकालिक अध्ययन-4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, लघुदण्डक का थोकड़ा, क्रोध-मान-माया-लोभ विजय, वीर स्तुति-मूल व शब्दार्थ, भावार्थ कण्ठस्थ,आराधक-विराधक की विशेषताएँ।

नवमीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. 3, 4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, तत्त्वार्थ-अ.1,2 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, अनेकान्त- स्वरूप, गुणस्थान स्वरूप का थोकड़ा, व्रत- प्रत्याख्यान सम्बन्धी जानकारी।

दसवीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ.-10 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, सुखविपाक-मूल व अर्थ कण्ठस्थ, तत्त्वार्थ अ. - 3, 4, 5 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, जीव पज्जवा का थोकड़ा, जैन धर्म की मौलिक विशेषताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 1 से 5।

ग्यारहवीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ.-29 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, तत्त्वार्थ अ. 6, 7 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, कर्मग्रन्थ भाग-2, स्थानकवासी परम्परा की मान्यताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 6 से 10 तक,

बारहवीं कक्षा- आचारांग सूत्र के-चयनित सूत्र, राजप्रश्नीय सूत्र के प्रश्नोत्तर, तत्त्वार्थ अ.- 8,9,10 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, कर्मग्रन्थ भाग-3,प्राकृत व्याकरण अ. 11 से 15 तक।

वरीयता पुरस्कार

Prize	Class 1-4	Class 5-8	Class 9-12
1st Prize	2000/-	2500/-	4000/-
2nd Prize	1500/-	2000/-	3000/-
3rd Prize	1000/-	1500/-	2000/-
4th to 10th Prize	500/-	-	-
4th to 7th Prize	-	750/-	-

50 तथा अधिक अंक लाने वाले सभी परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा